चौबे टाइम्स १७ अक्टूबर १९९४ सोमवार

कन्या कुमारी से कश्मीर तक पदयात्रा

राजनांदगांव, श्री सर्वेश्वरी सेवा समूह के गुरु औघड़ संत अलख राम अपने शिष्यों के साथ कन्या कुमारी से कश्मीर तक की सद भावना पदयात्रा के लिए गत दिनों छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस से रवाना हुये.

उक्त जानकारी देते हुए संस्था के संयुक्त सचिव कन्हैया लाल साहू नें बताया कि एकता एवं शांति का संदेश गांव-गांव तक पहुंचाने के उद्देश्य से यह सद्भावना पदयात्रा की जा रही है पदयात्रा आगामी २१ अक्टूबर को कन्याकुमारी से प्रारंभ होगी. पदयात्रा में उत्तम साहू, बिसे साहू (भरदा) सोनू, धर्मेन्द्र मसानी, रामबाबा साधु राम (भानपुरी) चन्द्रशेखर राय (राजनांदगांव) एवं ग्राम पोवरा

कन्या कुमारी से कश्मीर तक पदयात्रा

राजनांदगांव. श्री सर्वेश्वरी सेवा समूह के गुरू औघड़ संत अलखराम अपने शिष्यों के साथ कन्याकुमारी से कश्मीर तक की 'सदभावना पदयात्रा' के लिए गत दिनों छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस से रवाना हुये.

उक्त जानकारी देते हुए संस्था के संयुक्त सचिव कन्हैया लाल साहू ने बताया कि एकता एवं शांति का संदेश गांव-गांव तक पहुंचाने के उद्देश्य से यह सद्भावना पदयात्रा की जा रही है. पदयात्रा आगामी २१ अक्टूबर को कन्या कुमारी से प्रारंभ होगी. पदयात्रा में उत्तम साहू, बिसे साहू (भरदा), सोनू, धर्मेन्द्र मसानी, रामबाबा साधु राम (भानपुरी), चन्द्रशेखर राय (राजनांदगांव) एवं ग्राम पौवरा जिला भभुआ (बिहार) के काशीराम सिंह, रामानंद सिंह एवं लक्ष्मण सिंह शामिल हैं.

Scanned By Camera Scanner

५ १९ अक्टूबर १९९४

दैनिक भास्कर

अंचल की खबरें

कन्याकुमारी से क श्मीर तक की सद्‌भावना यात्रा

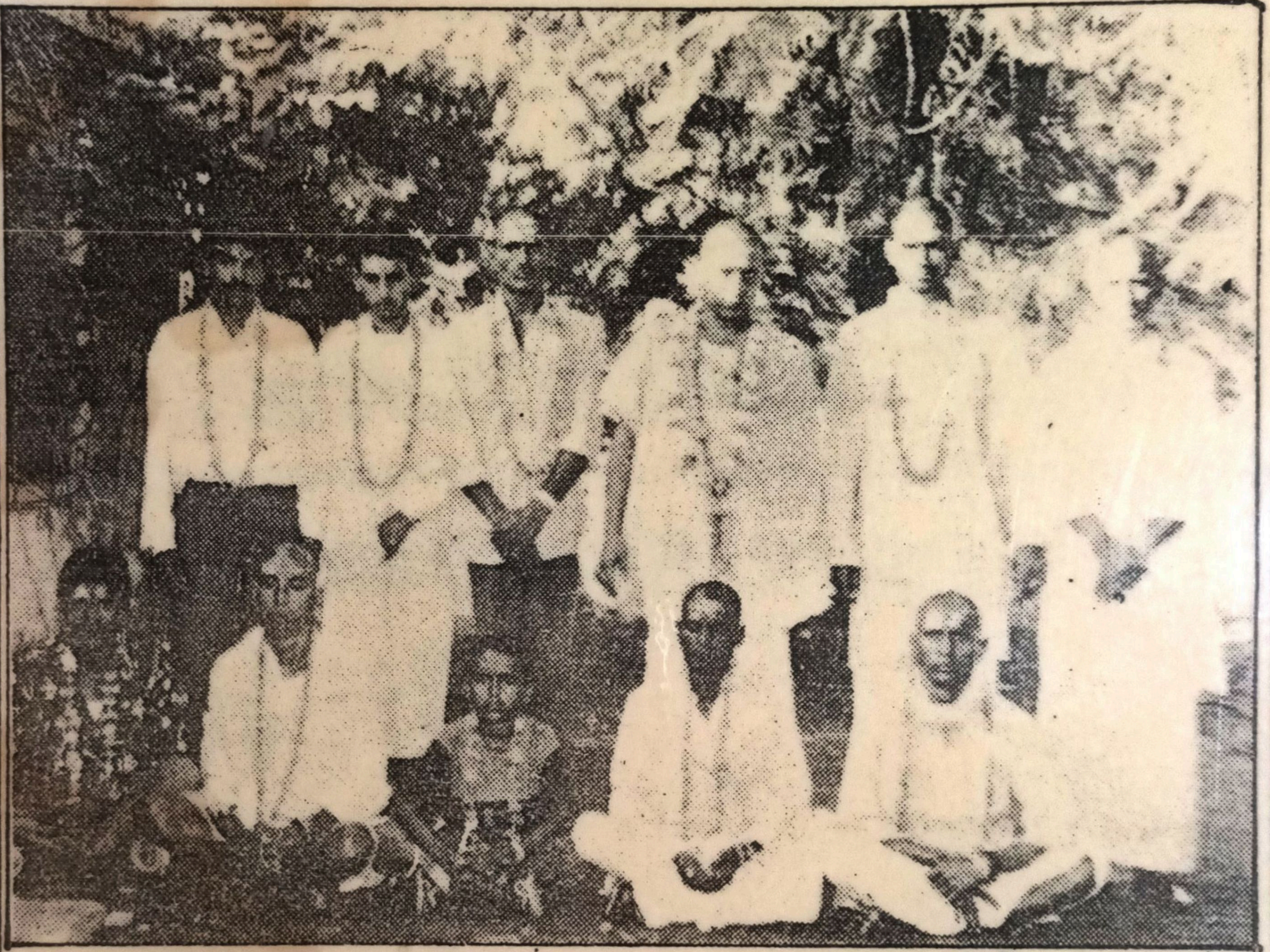

राजनांदगांव। सर्वेश्वरी सेवा समूह भनपुरी के गुरु संत अलखराम, अपने शिष्यों सहित कन्याकुमारी से कश्मीर तक सद्‌भावना पद यात्रा हेतु १४ अक्टूबर को रवाना हुए हैं। यात्रा का उद्देश्य देश में एकता व शांति का परचम लहराना तथा अपने विचारों को जनसामान्य तक पहुंचाना है। यात्रा २१ अक्टूबर को कन्याकुमारी से प्रारम्भ होगी। इस यात्रा में उत्तम साहू, बिसे साहू, सोनू, धर्मेन्द्र मसानी, राम बाबा, साधुराम व चन्द्रशेखर साथ हैं। तदाशय की जानकारी कन्हैयालाल साहू ने दी।

Scanned By Camera Scanner

पदयात्रींचे पथक ओरोस येथून काश्मीरकडे वाटचाल करीत असताना अग्रभागी यात्रा संचालक अवधूत अलखराम बाबा (छाया- प्रिया वस्त)

अघोर भारत पदयात्रींचे आगमन

सिंधुदुर्ग, दि. १६ (प्रतिनिधी)- [illegible] अघोर भारत पदया[illegible] [illegible]चे आठ जणांचे प[illegible]क क[illegible] ते काश्मीर अशी भारत पदया[illegible] करीत असून, मध्यप्रदेश येथील भानपुरी जिल्ह्यातील श्री.. सर्वेश्वरी सेवा समूह औघड बाबा आश्रमामधील सदस्याचे हे पदयात्री पथक आहे.

संपूर्ण भारतभर फिरून प्रत्येक गावागावामधील लोकांचे आचार विचार संस्कृती यांचा अभ्यास करून लोकांमध्ये सद्‌भावना जागृतीचा उपदेश या पदकात्रीकडून होत आहे. हे पदयात्री कन्याकुमारीवरून पदयात्रा करीत आले असून ते काश्मीरकडे वाटचाल करीत असताना त्यांनी आज मुंबई गोवा महामार्गावरील जिल्हा मुख्यालय ओरोस येथे भेट दिली. यावेळी दै. तरुण भारत तर्फे या पदयात्रीना शुभेच्छा देण्यात आल्या.

त्यांची ही पदयात्रा दीड वर्षे चालणार असून, या पदयात्रेचे नेतृत्व सर्वेश्वरी सेवा समूहाचे अध्यक्ष अवधुत अलखराम बाबा हे करीत आहेत.

બુધવાર તા. ૧૦મી જાન્યુઆરી ૧૯૯૬

ભારત સદ્‌ભાવના પદયાત્રા

પ.પૂ. અઘોરેશ્વર ભગવાન રામના ઉત્તરાધિકારીઓ અને મુઠીયા સંતોના સંરક્ષણ અને સંચાલન હેઠળ કન્યાકુમારીથી શરૂ કરી કાશ્મીર સુધીની ભારત સદ્‌ભાવના પદયાત્રા ચાલી રહી છે. અઘોરેશ્વરના પ્રમુખ શિષ્યશ્રી તેજપ્રતાપજી આશીર્વાદથી આ યાત્રાનું સંચાલન શ્રી સર્વેશ્વરી સેવા સમૂહના સંસ્થાપક અને અધ્યક્ષ પ.પૂ. ઔઘડ સંત અલખરામજીના નેતૃત્વ હેઠળ ચાલી રહ્યું છે.

SANDESH RAJKOT- 13-12-95

ગોંડલમાં સદભાવના પદયાત્રીઓનું સ્વાગત

ગોંડલ,તા.૧૨

દેશમાં સદભાવના, એકતા, પારસ્પરિક પ્રેમ, ભાઈચારાની ભાવના વિકસાવવાના હેતુથી કન્યાકુમારીથી કાશ્મીર સુધીની પદયાત્રાનું ગોંડલમાં આગમન થતા ભવ્ય સ્વાગત કરવામાં આવ્યુ હતું.

ગોંડલના ભુવનેશ્વરી પીઠના અગ્રણી તથા જાગનાથ મંદિર ટ્રસ્ટના શ્રી પૂનાભાઈ પટેલ તથા યાદવ ટ્રાવેલ્સવાળા સામતભાઈ લાવડીયા દ્વારા પદયાત્રીઓનું સ્વાગત કરી શહેરમાં રહેવા જમવાની સગવડ કરી આપવામાં આવી હતી.

કન્યા કુમારીથી શરૂ થયેલી સદભાવના પદયાત્રા અત્રે એક વર્ષે પહોંચી હતી. આ પદયાત્રામાં શ્રી ઓઘડસંત અલખરામ બાબાજી અને અઘોરેશ્વર મહાપ્રભુના અનુયાયી સંતો તથા શિષ્યગણ ભાગ લઈ રહ્યા છે.

Scanned By Camera Scanner

૯૫ના રોજ સવારે ૭-૩૦થી ૮-૩૦ વચ્ચે ગીતા

૧૩ બુધવાર તા. ૨૦ ડીસેમ્બર ૧૯૯૫

ઉત્તરકાંડ ઉપર રાષ્ટ્રીય

વર્ષઃ ૬ અંકઃ ૧૬૯

તે સાંજના ૬થી ૭-૩૦

સદભાવના યાત્રા

સંત શ્રી અલખરામ બાબાજીની આગેવાની હેઠળ કન્યાકુમારીથી કાશ્મીર સુધીની 'શ્રી ભારત સદભાવના યાત્રા' તા. ૧૫-૧૨ના રોજ પૂ. રણછોડદાસજી બાપુના આશ્રમ ખાતે આવતા શ્રી સદગુરૂ સદન ટ્રસ્ટના ટ્રસ્ટીઓએ દલના પ્રમુખશ્રીનું તથા શ્રી અઘારેશ્વર મહાપ્રભુજીના અનુયાયી સંતોનું સ્વાગત કરેલ. આ યાત્રાનો હેતુ ભારતભરના લોકોમાં ઐકય, પ્રેમ, ભાઈચારો જળવાઈ રહે એ હતો.

Scanned By Camera Scanner

दैनिक नवज्योति

अजमेर, बुधवार 21 फरवरी 1996 पृष्ठ संख्या (12)

भारत सद्भावना पद यात्रा का अजमेर में स्वागत

अजमेर, 20 फरवरी (वि.)। महान सन्तों के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से निकली भारत सद्भावना पदयात्रा का अजमेर पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। अवधूत अलख राम बाबा के नेतृत्व में 19 अक्टूबर 1994 को कन्याकुमारी से निकली पदयात्रा का समापन काश्मीर में होगा।

Scanned By Camera Scanner

(8) 28.5.1996
दैनिक पंजाब केसरी, जालंधर

कन्याकुमारी से कश्मीर तक पदयात्रा

चंडीगढ़, 27 मई (संघी): श्री सर्वेश्वरी सेवा समूह मध्य प्रदेश की ओर से देश भर में मानवता व राष्ट्रीय एकता का संदेश देने के उद्देश्य से कन्याकुमारी से कश्मीर तक आयोजित की जा रही पदयात्रा के अंतर्गत 11 संन्यासी लगभग 6 हज़ार कि.मी. की यात्रा पूरी करने के बाद आज यहां पहुंचे। उन्नीस अक्तबूर 1994 को कन्याकुमारी से आरंभ हुई इस यात्रा में अब तक [illegible] तमिलनाडु, पांडिचेरी, केरल, कर्नाटक, गोवा. महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, दिल्ली व हरियाणा, में कई जगह अपने प्रवचन से लोगों तक अपना संदेश पहुंचा चुके हैं। यह पदयात्रा एक सप्ताह बाद यहां से पंजाब के लिए रवाना होगी व अगले चार माह में कश्मीर पहुंचेगी। इस यात्रा में एक 11 वर्षीय बाल संन्यासी अभिषेक राम भी शामिल है और वह प्रवचन के दौरान मुख्य आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

जनसत्ता/चंडीगढ़/ 29 मई 1996/3

भारत की पैदल यात्रा कर रहे सन्यासी चंडीगढ़ आए

जनसत्ता संवाददाता

चंडीगढ़, 28 मई। कन्याकुमारी से कश्मीर तक की पैदल भारत सद्भावना यात्रा पर निकला सर्वेश्वरी सेवा समूह के 11 संन्यासियों का दल विभिन्न प्रदेशों से होता हुआ चंडीगढ़ पहुंचा है। दल के अगुवा अवधूत अलखराम ने मंगलवार को बताया कि 19 अक्तूबर, 1994 को कन्याकुमारी से पैदल चले थे।

उन्होंने बताया कि अपने गुरु अघोरेश्वर भगवानराम जी के एकता व मानवता के संदेश का प्रचार करने के लिए वे लोग भारत सद्भावना यात्रा पर निकले हैं। उन्होंने बताया कि कश्मीर में श्रीनगर तक पहुंच यह यात्रा खत्म करने के बाद वे लोग श्रीनगर से त्रिंपुरा की यात्रा पर निकलेंगे।

उनके 11 सन्यासियों में 11 वर्ष का अभिषेक राम भी है। यह दल शहर में अपने गुरु के पोस्टर लगाने के अलावा परचे भी बांट रहा है।

दैनिक गुरविन्द्र खबरें
बुधवार 3 जुलाई 1996 पृष्ठ 4 —वालिया

कन्याकुमारी से काश्मीर तक पदयात्रा

ग्यारह सन्यासी १० जुलाई तक जालन्धर रहेंगे

शमशानघाट ही एक ऐसी जगह है यहां सब बुराईयां खत्म हो जाती हैं

जालन्धर 2 जुलाई (आज़ाद)—देश को जोड़ने, अखंड रखने, मानवता तथा राष्ट्री एकता का संदेश देने के लिये कन्याकुमारी से चलकर काश्मीर तक पैदल यात्रा 19 अक्तूबर 1994 में शुरू हुई। यह पद यात्रा इस युग के महान अघोर संत परम पूज्य अघोरेश्वर भगवान राम जी के शिष्यों एवं संतों के संरक्षण और संचालन में चल रही है। औघड़ संत प्रियदर्शी राम जीख् श्री तेज प्रताप जी के प्रयास और आर्शीवाद से इस यात्रा का संचालन और नेतृत्व औघड़ संत अलख राम जी कर रहे हैं। इस जत्थे में ग्यारह सन्यासी हैं और इसमें शामिल बारह वर्ष का सन्यासी अभिशेक राम मुख्य आकर्षण है।

19 अक्तूबर, 1994 को शुरू हुई यह पद यात्रा कन्याकुमारी से शुरू होकर तामिलनाडू, पांडेचेरी, केरल, करनाटक, गोआ, महाराष्ट्रा, गुजरात, राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़ से होती हुई पंजाब के जालन्धर शहर में पहुंच गई है। आठ-दस दिन जालन्धर में ठहर कर 11 जुलाई को कपूरथला के लिये चल पड़ेगी। इससे सात हज़ार किलोमीटर का पैदल रास्ता खत्म कर दिया है।

गुरविन्द्र खबरें के विशेष पत्रकार श्री एस. आज़ाद ने, जसविन्दर सिंह आज़ाद, स. प्रताप सिंह राणा तथा भूमिजोतक समूह के सैक्रेट्री (नैशनल) डा. मठारू हरबंस सिंह ने इस जत्थे में शामिल सन्यासियों के दर्शन किशनपुरा शमशानघाट के एक कमरे में किये जहां कि वह रूके हुए हैं। लोग भारी गिनती में उनके दर्शनों के लिए आ रहे हैं।

उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में कहा आज परमात्मा के नाम पर धार्मिक अस्थानों पर व्यापार चल रहा है। आज मंदिरों के रूप में होटल तथा रैस्ट हाऊस चल रहे हैं। वह पहले माडल टाऊन के गीता मंदिर में रूके, फिर देवीतालाब मंदिर में आये। उनका कहना कि हमें सबसे पवित्र अस्थान शमशानघाट लगा। एक तो यहां का वातावरण बहुत अच्छा है तथा वैसे भी इस स्थान पर आकर सारी बुराईयां खत्म हो जाती हैं। यहां पर हमें बाबा जी का बहुत प्यार मिला। वह शमशानघाट तथा इसमें बने हुए अंतिम स्थान र्स्वण आश्रम, मंदिर कालेश्वर महादेव के संचालक भी हैं।

उन्होंने बताया कि हमें पंजाब के बारे में बहुत डराया हुआ था। मगर जितना प्यार हमें यहां मिला है किसी और स्थान पर नहीं मिला। पंजाब के लोग बहुत बहादुर तथा दयावान तथा मिलापड़े हैं, यह हमें यहां आ कर पता चला। मनुष्य रूप बनने वाला कोई-कोई होता है जो दूसरों को दुख नहीं देता। ऐसी ही बात हमें पंजाब में देखने को मिली, नहीं तो कुछेक प्रदेश में तो हमें पचास-पचास किलोमीटर पैदल चलने पर पानी तक नहीं मिला।

Scanned By Camera Scanner

5 पब्लिक सहारा राष्ट्रीय सांध्य दैनिक 'अमृतसर'

सर' 18 जुलाई 1996

कश्मीर से कन्या कुमारी के पद यात्री अमृतसर में पहुंचे

अमृतसर, 18 जुलाई (इ.न.स.) : श्री सर्वेशवरी सेवा समूह गुरुदेव धाम मध्य प्रदेश की ओर से आयोजित कन्या कुमारी से चलकर कश्मीर जाने वाले पद यात्री गत दिवस अमृतसर पहुंचे।

इस 11 सदसीय सद्भावना पद यात्रा का नेतृत्व राष्ट्रीय संत अवधूत अलख राम जी कर रहे हैं। कन्या कुमारी से 11 अक्तूबर 1994 को इस यात्रा का प्रारम्भ हुआ था। पद यात्रा कर रहे यात्रियों ने बताया कि उनका यह यात्रा करने का उद्देश्य मात्र सद्भावना पैदा करना है और यह बताना है कि कश्मीर से कन्या कुमारी तक भारत एक है। लोगों में यह संदेश पहुंचाना है कि अगर हम जात-पात छोड़ कर केवल मनुष्य ही बन जाएं तो हमारे लिए उससे बड़ी कोई भी उपलब्धी नहीं।

देश के विभिन्न भागों से होते हुए यह यात्री अब अमृतसर से कठूआं जम्मू वैष्णो देवी से होते हुए श्रीनगर पहुंचेंगे। इस यात्रा में भाग लेने वालों में भूपिन्द्र शर्मा, अभिषेक राम, दविन्द्र सिंह, राम अवध राम सुख रत्न राम, निच्छू राम, राघव राम, राम जी राम शामिल हैं। यह हर शहर में रूककर सद्भावना संदेश देते हैं। आजकल यह यात्री दुर्ग्याणा मंदिर के पास-परम राम मंदिर में रह रहे हैं।

पेड़- पौधे लगाएंगे

फरीदकोट, 18 जुलाई (सहारा) : लोक सेवा सोसाइटी पंजगराई कलां पर्यावरण के उद्देश्य से पूरे गांव में पेड़-पौधे लगाएगी। यह जानकारी सोसायटी के अध्यक्ष सवर्णसिंह ने दी।

भारत सद्भावना पदयात्रा टीम जम्मू पहुंची

कश्मीर टाइम्स संवाददाता

जम्मू, ९ अगस्त। आठ सदस्यीय भारत सद्भावना पदयात्रा टीम अवधूत अलखराम बाबा के नेतृत्व में यहां पंहुच चुकी है। कन्याकुमारी से कश्मीर तक के लिए चलाये जा रहे सद्भावना यात्रा में ग्यारह वर्ष के मासूम बच्चे से लेकर वृद्ध व्यक्ति भी भाग ले रहें। 19 अक्तूबर 94 को यह यात्रा कन्याकुमारी से आरंभ की गई, जो तमिलनाडु, पांडिचेरी, केरल, कर्नाटक, गोआ,महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, दिल्ली हरियाणा,चंडीगढ़ ,पंजाब होते हुए जम्मू पहुंच गई।

दैनिक कश्मीर टाइम्स संवाददाता से एक भेट में 36 वर्षीय भूपेन्द्र अघोरी ने बताया कि यात्रा के दौरान केरल में कुछ परेशनियों का सामना करना पड़ा अन्यथा अन्य राज्यों के लोगों द्वारा भरपूर सहयोग मिलने से हम यात्रियों का मनोबल बढ़ा है।

उन्होंने कहा कि कश्मीर में पवित्र हजरत बल दरगाह, चरारे शरीफ और शंकराचार्य मंदिर की यात्रा पूरी करने के बाद राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात के पश्चात यह यात्रा समाप्त समझी जाएगी। वैसे वापसी में वैष्णों देवी भी हमारी टीम जाएगी।

सदभावना यात्रा का उद्देश्य क्या है, के उत्तर में श्री अघोरी ने कहा कि निःस्वार्थ भाव से मनुष्य जाति की सेवा करना तथा जाति-पाति, र्धम और आपसी भेदभाव भुलाकर वसुधा की सेवा करना है। तथा सभी लोग आपस में मेल-मिलाप से रहे।

यात्रा व्यय की आपूर्ति कैसे होती है, के उत्तर में उन्होंने कहा, कि हमारी संस्था श्री सर्वेश्वरी सेवा समूह गुरूदेव ग्राम, भानपुरी, राजनांद गांव (मध्य प्रदेश) के द्वारा की जाती है। संस्था की आय के लिए सैकड़ों एकड़ उपजाऊ भूमि, कुष्ठाश्रम, डिग्री कालेज, आयुर्वेदिक दवा की फैक्टरी प्रेस और विद्यालय है। तथा इसकी एक सौ शाखा में पूरे भारत में है जबकि अमरीका ओर कैलीफोर्निया में एक-एक शाखायें कार्यरत है।

मंदिर, मस्जिद और गुरूद्वारो मे सबसे अधिक इस टीम को गुरूद्धारा का प्रबंध ज्यादा अच्छा लगा।

भारत सदभावना पदयात्रा टीम में अवधूत अलखराम बाबा (32) के अलावा भूपेन्दर अघोरी (36) रामजी राम (55), राघव राम (52) दृग भिक्षु (26), राम अवध राम (26), आचार्य धर्मेन्द्र(19) और अभिशेख राम (12) शामिल है।

घाटी में जारी अपहरण और हत्याओं की खबरे पाकर भी इस दल के चेहरे पर प्रसन्नता की लकीरें दिखाई दी और भूपेन्दर अघोरी ने कहा कि हमारा जो उदेश्य है, उससे आपसी भाई चारे और मेल-मिलाप को बढ़ावा मिलता है और जो कश्मीर में भाई चारा और मेल-मिलाप चाहते हैं, हम उनसे क्यों नहीं मिलेंगे।

उन्होंने कहा, कि सुरक्षा व्यवस्था नहीं मिलेगी फिर हम यात्रा अवश्य करेंगे।

Scanned By Camera Scanner

Members of Bharat Sadbhavna Padyatra mission. —*KT Photo Afzal Shah.*

PASSING BY

Mission of a different kind

It is Kanyakumari to Kashmir again. This time by the members of religious group with a mission of its own.

The group of eight belonging to Aghori faith on their way to 'Bharat Sadbhavna Padyatra- from Kanyakumari to Kashmir' was in town on a pious mission to spread the message of humanity, amity and brotherhood the decaying virtues. The group, which is consisted of members from 12 year old Abhishek Ram to 55 years old Ramji Ram, is led by Sant Avdhoot Alakh Ram Baba (32).

Hailing from Madhya Pradesh, the group belongs to Sarveshwari Sewa Smooh Gurudev Gram, Bhanpuri, Rajnad village, an Ashram run in the name of Aghori saint Bhagwan Ram. The establishment has about 100 branches throughout the country besides abroad in Italy and California (USA). The Ashram is also running a leprosy hospital school, degree college, running a factory manufacturing Ayurvedic medicines and a printing press.

Wayback in 1994, the Padyatra was started on Oct 19 from Kanyakumari. Covering so far Tamil Nadu, Kerala, Karnataka, Goa, Maharashtra, Gujarat, Rajasthan, Delhi, Haryana, Chandigarh, Punjab, Jammu, the group left for Kashmir on Aug 11.

For a twelve year old Abhishek the mission is more like an adventure. But at the same time he is quite convinced of the noble cause with which his elder team members are associated with. He understands the peace mission and conveys the message through his child-like ways yet convincing manner.

When asked whether it would be feasible for them to visit Kashmir in the present turmoil with particular reference to recent tourists killing, the group members undauntingly appeared to be confident of success in their mission.

"You see, the faith to which we adhere knows no religion other than the service to humanity."

"It does not believe in any 'Vidhi Nished' (formal rituals). We worship Lord Shiva and Goddess Kali - both symbolising 'Shakti'. Obviously there is no question of being afraid. Besides, we know we'll be able to universalise our peace mission," one of the senior group members Bhupender Amoghi (36) remarked.

Other group members Drig Bhikshu (26), Ram Avadh Ram (26), Raghav Ram 52 and Acharya Dharminder (19) were also brimming with the same spirits.

"Any traumatic experience during Padyatra?" "Overall it proved to be a peaceful journey barring a particular incident at Kerala where certain youth tried to creat a communal tension. But by grace of God, they did not succeed in their mischief," Amoghi remarked.

The group wsas much impressed by a particular sanctity prevailing in the Gurdwaras of all the religious places. With particular reference to their last destination of their mission, they remarked, "We are adamant enough despite all sort of odds to go Kashmir and pay our obeisance there in Charar-e-Sharief and Hazrat Bal."

--Shuchismita.

Scanned By Camera Scanner